भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3507

दिनांक 17 दिसम्बर, 2024

फसल विविधीकरण के प्रभाव का आकलन

3507. श्री पी. पी. चौधरी:

क्या **कृषि और किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या कृषि हस्तक्षेपों विशेषकर लवण सहिष्णु किस्मों के साथ फसल विविधीकरण और कुँओं से गाद निकालने के प्रभाव के संबंध में कोई आकलन किया गया है, यदि हां, तो विशेष रूप से राजस्थान के पाली जिले के संबंध में इसके क्या निष्कर्ष निकले;
(ख) विगत तीन वर्षों के दौरान इन हस्तक्षेपों से कितने किसान लाभान्वित हुए और पाली जिले में फसल की पैदावार और मृदा की गुणवत्ता में क्या सुधार देखा गया;
(ग) क्या सतत् कृषि पद्धतियों के लिए किसानों को कोई विशिष्ट वित्तीय सहायता प्रदान की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और पाली जिले में इसका कितना उपयोग किया गया है; और
(घ) क्या पाली जिले से किए गए इन सफल हस्तक्षेपों को समान कृषि-जलवायु स्थितियों वाले अन्य जिलों में दोहराया जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री
(श्री भागीरथ चौधरी)

(क) **एवं (ख) :** जी, हां। कृषि संबंधी युक्तियों/हस्तक्षेपों के प्रभाव के संबंध में आकलन किए गए हैं, इसमें विशेष रूप से पाली जिले में लवण-सहिष्णु किस्मों के फसल विविधीकरण के प्रभाव आकलन शामिल हैं। पाली जिले के विभिन्न स्थानों पर गेहूं (केआरएल-210) तथा सरसों (सीएस-54) की लवण-सहिष्णु किस्मों का उपयोग करते हुए खेत परीक्षण (ओएफटी) किए गए हैं। गेहूं और सरसों की औसत

पैदावार क्रमश: 36.8 तथा 17.3 क्विं./हेक्टे. पाई गई। वर्ष 2021-23 के दौरान गेहूं, जौ तथा सरसों सहित लवण-सहिष्णु फसलों पर कुल 319 प्रदर्शन आयोजित किए गए जिनमें क्रमश: 25.3, 20.3 तथा 32.3 प्रतिशत की पैदावार वृद्धि पाई गई। किसानों द्वारा स्थानीय रूप से उगाई जा रही किस्मों की तुलना में लवणसहिष्णु किस्मों जैसे मूंग (विराट), क्लस्टर बीन (आरजीसी-1033), मोठ बीन (सीजैडएम-2) तथा सोरघम (सीएसवी-27) के द्वारा फसल विविधीकरण के फलस्वरूप फसल पैदावार में औसत रूप में 10-15 प्रतिशत की वृद्धि पाई गई। इसके अलावा, प्रदर्शन वाले प्लाटों में मृदा स्वास्थ्य में भी सुधार दर्ज किया गया। इसके साथ ही किसानों द्वारा कुओं से गाद निकालने की स्थानीय मौजूदा प्रक्रिया को प्रोत्साहित किया गया।

पिछले तीन वर्षों के दौरान, प्रौद्योगिकी प्रदर्शनों के माध्यम से कुल 582 किसान लाभान्वित हुए हैं और क्षमता निर्माण कार्यक्रमों जैसे प्रशिक्षण, ज्ञानवर्धन दौरे तथा फील्ड दिवस आदि से 849 किसान लाभान्वित हुए हैं।

(ग) एवं (घ) : जी, हाँ। राष्ट्रीय टिकाऊ कृषि मिशन-बारानी क्षेत्र विकास (एनएमएसए-आरएडी) योजना पाली जिले में संचालित है। पिछले तीन वर्षों के दौरान वित्तीय सहायता तथा बजट उपयोग में हुई प्रगति का विवरण निम्नलिखित है :

वर्ष 2021-22 : रु. 3.45 लाख
वर्ष 2022-23 : रु. 7.02 लाख
वर्ष 2023-24 : रु. 16.53 लाख

समानरूपी कृषि-जलवायु स्थितियों वाले जिले भी एनएमएसए-आरएडी योजना के तहत लाभान्वित हुए हैं।

****